पंजीयन क्र. 50309/85 के अन्तर्गत भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत। डाक पंजीयन क्र. म.प्र./261/ भोपाल/2006-08

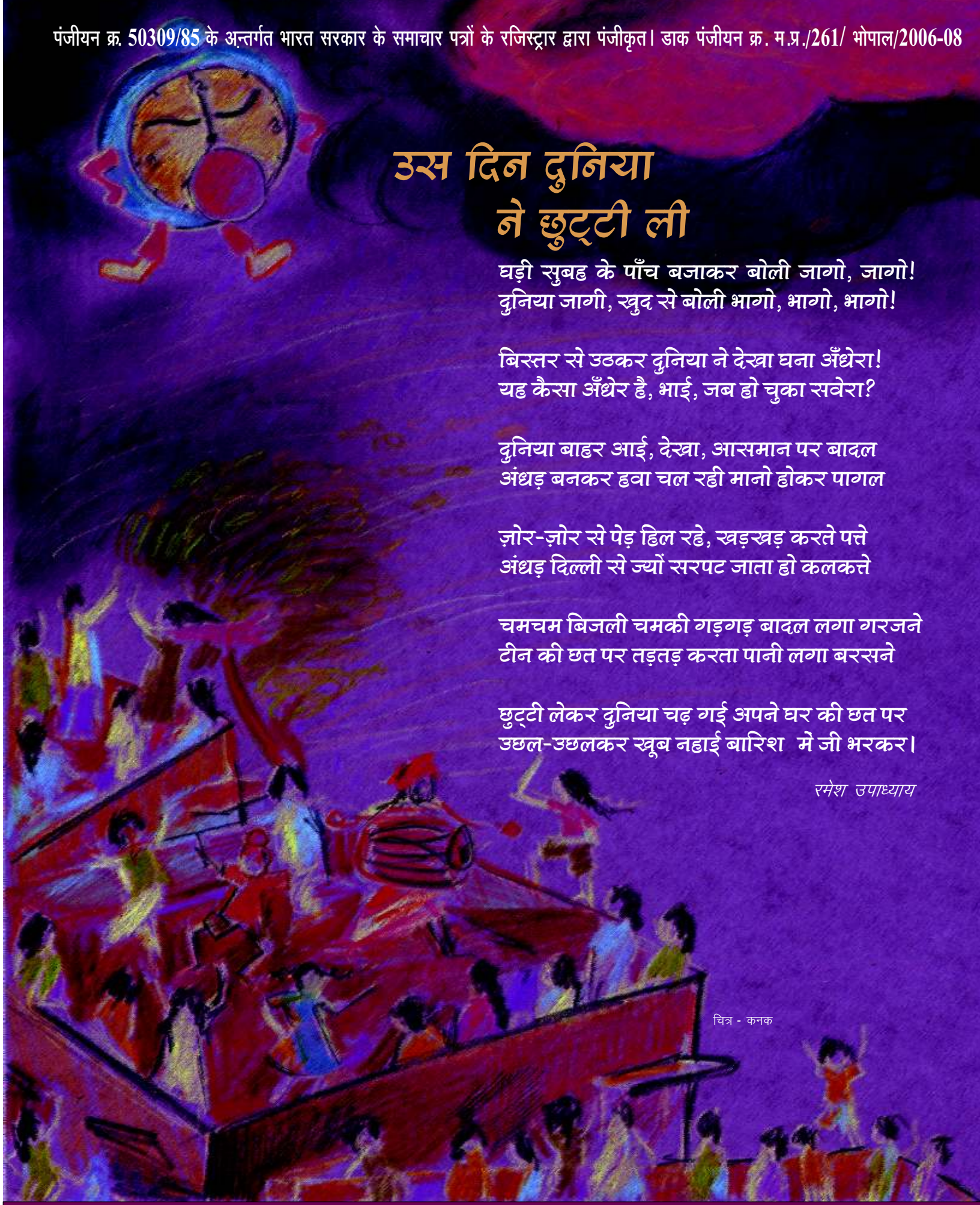

उस दिन दुनिया ने छुट्टी ली

घड़ी सुबह के पाँच बजाकर बोली जागो, जागो!
दुनिया जागी, खुद से बोली भागो, भागो, भागो!

बिस्तर से उठकर दुनिया ने देखा घना अँधेरा!
यह कैसा अँधेर है, भाई, जब हो चुका सवेरा?

दुनिया बाहर आई, देखा, आसमान पर बादल
अंधड़ बनकर हवा चल रही मानो होकर पागल

ज़ोर-ज़ोर से पेड़ हिल रहे, खड़खड़ करते पत्ते
अंधड़ दिल्ली से ज्यों सरपट जाता हो कलकत्ते

चमचम बिजली चमकी गड़गड़ बादल लगा गरजने
टीन की छत पर तड़तड़ करता पानी लगा बरसने

छुट्टी लेकर दुनिया चढ़ गई अपने घर की छत पर
उछल-उछलकर खूब नहाई बारिश में जी भरकर।

रमेश उपाध्याय

चित्र - कनक

रैक्स डी रोज़ारियो की ओर से सी. एन. सुब्रह्मण्यम द्वारा प्रकाशित तथा सी. एन. सुब्रह्मण्यम द्वारा मुद्रित तथा आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. में मुद्रित एवं प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589) में प्रकाशित।
सम्पादकः सुशील शुक्ल, एकलव्य, ई-10, शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल 462016, म.प्र.